

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

उत्तम एवं उत्कृष्ट कुलसचिव जीवाजी विश्वविद्यालय के साथ ही ही सेवा करेंगे जो कि किसी अन्य प्राधिकारी को नहीं है। सम्बन्धित विषय पर यदि पूर्व में 03 अक्टूबर हुआ हो तो वह अन्याय एवं विवेक अन्वये किया जाने विवकी सुविधा है।



आम : पूर्ववर्ती
 दूरभाष : 0591-(0751) 2442801 (ग्वालियर)
 2442447 (ग्वालियर)
 फ़ैक्स : 0091-0751-2341768
 E-mail : jyotiba_gwl@rediffmail.com
 Website : http://www.jyotiba.edu/

प्रेषक : कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्रमांक : एफ/सम्बद्धता/2012/ 5775

दिनांक : 13/12/12

// अधिसूचना //

विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 26(i)(v) एवं 24(xii) के अन्तर्गत कर्णामण्डि की बैठक दिनांक 16 अक्टूबर, 2012 के पत्र क्रमांक (02) के निर्णयानुसार चौधरी यदुनाथ सिंह महाविद्यालय, सिन्धु को सत्र 2012-13 के लिये एम.ए. (हिन्दी), संस्कृत, समाजशास्त्र, वैश्वविज्ञान, बी.कॉम, (समस्त अभिवाही विषय एवं सम्पूर्ण एप्लीकेशन, बैकल्पिक विषय), बी.एस.सी. (जन्तुविज्ञान, जगित, भौतिकी, रसायन, वनस्पति विज्ञान एवं सम्पूर्ण साइंस बैकल्पिक विषय), पाठ्यक्रमा के लिये अस्थाई सम्बद्धता निम्न शर्तों के साथ प्रदान की जाती है।

शर्तें एवं प्रतिबंध :-

1. काम कि सीमित प्रयोगशाला में प्रयोग बी.एस.सी. से बहुत विरल रूप में है, प्रयोगों की संख्या बहुत कम है और Dark Room की व्यवस्था बिल्कुल ही नहीं है।
2. महाविद्यालय में लैबराटोरी विज्ञान विषय की प्रयोगशाला नहीं है।
3. जन्तुविज्ञान विषय की प्रयोगशाला में सूक्ष्मदर्शी यंत्रों की संख्या अपूर्व है जिनका उपयोग नहीं हो पाया है।
4. रसायन प्रयोगशाला में रसायन यन्त्र तभी के अतिरिक्त किए गए हैं, रसायन घटिया गुणवत्ता के हैं, प्रयोगशाला में लैबराटोरी जैव किटिडर होना चाहिए। अनुसंधान की जाती है, कि उपरोक्त शर्तों विषयों में प्रत्येक प्रयोगशाला में कम से कम 1,50,000/- रु. मूल्य के पत्र, उपकरण, रसायन आदि प्रदान किए जाए। महाविद्यालय को स्थापनाके तुरंत पर वैश्वविज्ञान पाठ्यक्रम चलाने के लिए आवश्यक जितनी दुर्ई है, सिन्धु तलमाल में यह पाठ्यक्रम चलाना नहीं जा रहा है। इसके लिए महाविद्यालय को पत्र लक्ष्मी अघोसंस्थान नहीं है।
5. सम्पूर्ण सत्र में 04 घण्टों 02 एक सम्पूर्ण के विज्ञान के विद्यार्थी सत्र संख्या पर आवश्यकानुसार सम्पूर्णों की व्यवस्था की जाती चाहिए साथ ही सभी की संख्या के अनुसार सीमित राशियेवर रूप किया जाना चाहिए एवं सम्पूर्ण सत्र में प्रतिदिन 27 के अनुसार बनाया जावे।
6. व्याख्याता यहाँ में अतिरिक्त नहीं है।
7. पुस्तकालय/पत्रिका के लिए प्रबंधन द्वारा एक पुरानी नियुक्ति है।
8. प्रौढा सेवा विकसित कर संघर्ष योग्यतायों प्रौढा अधिकारी की नियुक्ति 20(17) के अन्तर्गत की जानी चाहिए।
9. सभी वैश्विक और वैश्विक पत्रिकायों पर 20(17) के अन्तर्गत नियुक्ति की जानी चाहिए।
10. मान कुछ ही शिक्षक 20(17) में नियुक्ति है, यह सभी नियुक्तियां सभी बहुत हाल में की गई है। यह संघर्ष अंतर्गत है।
11. सभी केवल मुदातल बैंक के अन्तर्गत में किए जाने चाहिए।

अदेशानुसार
 कुलसचिव

प्रति,

1. प्राचार्य, चौधरी यदुनाथ सिंह महाविद्यालय, सिन्धु
2. आयुक्त, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, रायपुरा भवन, भोपाल।
3. क्षेत्रीय अभिविद्य संकलक, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, ग्वालियर-बंशल संभाग, मोती महल, ग्वालियर।
4. उप-कुलसचिव (परीक्षा/सोपनीय) जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
5. अधीक्षक, परीक्षा कम क्रमांक 03, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर की ओर सूचनाएं एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु।

सहायक कुलसचिव (सम्बद्धता)